आपका फीडबैक
9999440366
पर एसएमएस के जरिए खबरों पर आप अपना फीडबैक भेज सकते हैं

सार संक्षेप

मान इंडस्ट्रीज को ठेका

मुंबई ◆ पाइप निर्माता कंपनी मान इंडस्ट्रीज को मध्य-पूर्व के देशों से निर्यात का ठेका हासिल हुआ है। यह ठेका 500 करोड़ रुपये मूल्य का है। इसके तहत कंपनी उन देशों में ऑयल व गैस सेक्टर के लिए बड़े व्यास वाली पाइप का निर्यात करेगी। इस बारे में कंपनी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि इस नए ठेके के साथ ही कंपनी का ऑर्डर बुक करीब 1,600 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कंपनी के मुताबिक नवीनतम ऑर्डर 9-12 महीनों में भेजा जाना है। मान इंडस्ट्रीज सबमर्ज्ड आर्क वेल्डेड (एसएडब्ल्यू) पाइप व कोटिंग सिस्टम का उत्पादन करती है। इस पाइप का उपयोग उच्च दाब वाली ऑयल व गैस एप्लीकेशंस के लिए किया जाता है। कंपनी की मौजूदा उत्पादन क्षमता करीब 10 लाख टन सालाना है।

सरकार एलआईसी के एमडी नियुक्त

नई दिल्ली ◆ सुशोभन सरकार को एलआईसी का नया प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया गया है। देश की सबसे बड़ी वित्तीय सेवा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) ने शुक्रवार को अपने बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति की है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगी। सुशोभन सरकार ने वर्ष 1978 में प्रोबेशनरी के तौर पर सीधी नियुक्ति पाई थी। उन्होंने एलआईसी में इंश्योरेंस, मार्केटिंग व इंवेस्टमेंट जैसे पोर्टफोलियो को संभाला है। इस पदोन्नति से ठीक पहले वे एलआईसी में इंटरनेशनल ऑपरेशंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के तौर पर कार्यरत थे। इसके तहत उन्हें फिजी, मॉरीशस, केन्या, नेपाल, सऊदी अरब, बहरीन (इसके तहत जीसीसी क्षेत्र शामिल), ब्रिटेन, श्रीलंका व सिंगापुर में एलआईसी की गतिविधियों का जिम्मा संभाल रहे थे।

डैन डिक्रिस्टोफर बने एमडी-सीईओ

नई दिल्ली ◆ बीएमडब्ल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया ने डैन डिक्रिस्टोफर को प्रबंध निदेशक (एमडी) व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 27 जनवरी, 2012 से प्रभावी हो गई है। वे कंपनी के गुड़गांव-स्थित मुख्यालय से अपनी जिम्मेदारियों का संचालन करेंगे। डिक्रिस्टोफर के पास 30 वर्षों से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने वर्ष 1996 में बीएमडब्ल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज ज्वॉइन किया था। इस नियुक्ति से पहले वे बीएमडब्ल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज नॉर्थ अमेरिका में जनरल मैनेजर, सेल्स व मार्केटिंग (सेंट्रल रीजन) के पद पर कार्यरत थे।

आरएमडब्ल्यू-टीवी आशी करार

नई दिल्ली ◆ फिल्म व इंटरटेनमेंट सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनी रिलायंस मीडियावर्क्स (आरएमडब्ल्यू) ने जापान की अग्रणी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी टीवी आशी के साथ करार किया है। इसके तहत कंपनी निंजा हट्टोरी नाम की कॉमेडी एक्शन एनिमेशन सीरीज के नए एपिसोड का प्रोडक्शन करेगी। टीवी आशी की सहायक शाखा शीन-आई एनिमेशन ने निंजा हट्टोरी के 26 एपिसोड के प्रोडक्शन के लिए अनिल अंबानी नियंत्रित रिलायंस ग्रुप की कंपनी आरएमडब्ल्यू की सेवाएं लेने का फैसला किया है। इसके नए एपिसोड निक इंडिया पर मई, 2012 से प्रसारित किए जाएंगे।

नाल्को को तीन अवार्ड

नई दिल्ली ◆ नवरत्न कंपनी नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड(नाल्को) को ग्लोबल एचआर एक्सीलेंस सेरेमनी में तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल हुए हैं। कंपनी को मुंबई में आयोजित वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस-2012 में ये अवार्ड मिले।इनमें 'सीईओ विद एचआर ओरिएंटेशन', 'एचआर लीडरशिप अवार्ड' तथा 'ऑर्गेनाइजेशन विद इन्नोवेटिव एचआर प्रैक्टिसेज' शामिल हैं।कंपनी के सीएमडी बी. एल. बागरा ने सीईओ विद एचआर ओरिएंटेशन तथा ऑर्गेनाइजेशन विद इन्नोवेटिव प्रैक्टिसेज के पुरस्कार ग्रहण किए। तीसरा पुरस्कार कंपनी के पर्सनल व एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर जॉय वर्गीज ने ग्रहण किया। **(ब्यूरो/प्रेट्र)**

किस्मत ◆ एयर इंडिया का 18,000 करोड़ रुपये का सीडीआर हुआ मंजूर

महाराजा को राहत के साथ मिला और कर्ज

बिजनेस भास्कर/एजेंसियां ◆ मुंबई

सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया को फौरी तौर पर राहत मिल गई है। कर्ज के बोझ तले आकंठ डूबी इस कंपनी के कर्जदाताओं ने कंपनी की 18,000 करोड़ रुपये की कॉरपोरेट डेट रिस्ट्रक्चरिंग (सीडीआर) योजना को मंजूर कर लिया है। इसके साथ ही इन कर्जदाताओं ने कंपनी को 2,200 करोड़ रुपये का ताजा कर्ज देने को भी अपनी मंजूरी दे दी है।

बैंकिंग क्षेत्र के सूत्रों के मुताबिक इस 18,000 करोड़ रुपये में से कंपनी को सरकार की गारंटी वाले 7,400 करोड़ रुपये मूल्य के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले 13 बैंकों के कंसोर्टियम ने कंपनी को 2,200 करोड़ रुपये मूल्य का ताजा नकद कर्ज देना भी मंजूर कर लिया है। इतना ही नहीं, सूत्रों के मुताबिक सरकार कंपनी में इक्विटी के तौर पर 6,600 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना पर भी जल्द निर्णय ले सकती है। गौरतलब है कि 10 दिन पहले वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता वाले एक मंत्रिसमूह ने कंपनी को सोवरेन गारंटीड एनसीडी जारी कर 7,400 करोड़ रुपये जुटाने को अपनी मंजूरी दे दी थी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक इन डिबेंचर्स पर 8.5-9.00 फीसदी का कूपन रेट है, और वित्तीय संस्थाएं ये बांड्स खरीद सकती हैं। यह रकम कंपनी की उस डेट रिस्ट्रक्चरिंग का हिस्सा होगी, जिसे 7 फरवरी, 2012 को मंत्रिसमूह ने अनुमोदित कर दिया था। हालांकि सूत्रों के मुताबिक इन बांड्स को अभी कैबिनेट की मंजूरी की दरकार है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक एयर इंडिया पर फिलहाल कुल मिलाकर लगभग 67,520 करोड़ रुपये बकाया है। इसमें परिचालन पूंजी के मद में 21,200 करोड़ रुपये तथा फ्लीट अधिग्रहण के लिए लंबी अवधि के तौर पर लिया गया 22,000 करोड़ रुपये का कर्ज शामिल है। इसके साथ ही वेंडर ड्यूज के मद में कंपनी पर 4,600 करोड़ रुपये तथा संकलित नुकसान के मद में 20,320 करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी की कर्ज पुनर्गठन योजना को अतीत में तब एक झटका लग चुका है, जब बैंकों के कंसोर्टियम ने कंपनी के छोटी अवधि वाले कर्ज को इक्विटी में बदलने से इंकार कर दिया था।

एयर इंडिया के सीडीआर की पूर्ववर्ती योजना के तहत उसके 18,000 करोड़ रुपये में से 10,500 करोड़ रुपये को लंबी अवधि के कर्ज में बदलना शामिल था। इस कर्ज को 10-15 वर्षों में चुकता किए जाने का प्रावधान था। बाकी की रकम बैंकों द्वारा इक्विटी में बदल दी जानी थी। लेकिन उस वक्त बैंकों के कंसोर्टियम ने बाकी रकम को इक्विटी के तौर पर बदले जाने से इंकार कर दिया था।

फैसला

कंपनी सोवरेन गारंटीड एनसीडी जारी कर 7,600 करोड़ रुपये जुटाने को स्वतंत्र

बैंकों के कंसोर्टियम ने दी 2,200 करोड़ रुपये ताजा पूंजी निवेश को भी मंजूरी

सरकार इक्विटी के तौर पर कंपनी में 6,600 करोड़ रुपये लगाने पर करेगी जल्द निर्णय

ये हैं कर्ज

67,520 करोड़ रुपये बकाया है एयर इंडिया पर कुल मिलाकर

21,200 करोड़ रुपये बकाया हैं कंपनी पर परिचालन पूंजी के मद में

22,000 करोड़ रुपये फ्लीट अधिग्रहण के मद में लिए गए हैं

4,600 करोड़ रुपये वेंडर ड्यूज के मद में कंपनी पर बकाया

20,320 करोड़ रुपये का कर्ज है संकलित नुकसान के मद में

एफआईआई ने दी सेंसेक्स को 135 अंक की मजबूती

बिजनेस भास्कर/एजेंसियां

नई दिल्ली ◆ मुंबई चालू सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार के कारोबार का अंत खुशनुमा रहा। दिन के कारोबार के दौरान बांबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30-शेयरों वाले सेंसेक्स ने 135.36 अंक यानी 0.75 फीसदी बढ़त ली। कारोबार के आखिर में सेंसेक्स 18,289.35 अंक के स्तर पर स्थिर हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50-शेयरों वाला निफ्टी भी शुक्रवार को 42.35 अंक यानी 0.77 फीसदी बढ़त के साथ 5,564.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

विशेषज्ञ मानते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की तरफ से घरेलू बाजार में डाली जा रही पूंजी से निवेशक खासे उत्साहित दिख रहे हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू बाजार में 23.24 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयरों की खरीदारी की। इससे इस वर्ष अब तक एफआईआई द्वारा भारतीय बाजार में किया गया निवेश 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यही वजह थी कि शुक्रवार को इंट्रा-डे में सेंसेक्स 18,423.06 अंक तक पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 5,600 अंक को छूने में कामयाबी पाई। ब्रोकरों का कहना था कि अमेरिकी बाजार में पिछले कारोबारी सत्र में हुई बढ़त के चलते यूरोपीय बाजार मजबूत दिख रहे थे। इसका असर एशियाई और घरेलू बाजारों पर देखने में आया। अमेरिका में नवीनतम आर्थिक आंकड़े आए हैं। इसमें यह दावा किया गया है कि देश में बेरोजगारी मार्च, 2008 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। इन खबरों से अमेरिकी बाजारों में मजबूती थी।

दिन के कारोबार के बारे में ग्लोब कैपिटल मार्केट के पीएमए प्रमुख के. के. मित्तल ने कहा कि फिलहाल बाजार का सेंटीमेंट अच्छा है, और एफआईआई जम कर खरीदारी कर रहे हैं। उनके मुताबिक बाजार में इस वक्त मामूली मुनाफावसूली को छोड़कर किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है।

आकलन

फिलहाल बाजार का सेंटीमेंट अच्छा है, और एफआईआई जम कर खरीदारी कर रहे हैं। उनके मुताबिक बाजार में इस वक्त मामूली मुनाफावसूली को छोड़कर किसी बड़ी गिरावट की आशंका नहीं है।

-के. के. मित्तल, पीएमए प्रमुख, ग्लोब कैपिटल मार्केट

कैनन इंडिया का 5,000 करोड़ राजस्व लक्ष्य

बिजनेस भास्कर ◆ नई दिल्ली

इमेजिंग तकनीक में जापान की जानी-मानी कंपनी कैनन की सहयोगी कंपनी कैनन इंडिया वर्ष 2015 तक अपना रेवेन्यू 5,000 करोड़ रुपये पर पहुंचाना चाहती है। कैनन इंक के चेयरमैन और सीईओ फूजियो मिताराय के मुताबिक कैनन इंडिया ने 2015 तक अब से हर साल रेवेन्यू में 30 फीसदी से ज्यादा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने वर्ष 2012 में रेवेन्यू में 30 फीसदी से ज्यादा बढ़त के साथ इसे 2,280 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2001 से कंपनी का रेवेन्यू लगातार तेजी से बढ़ रहा है। 2011 में भी कंपनी का रेवेन्यू वर्ष 2010 के मुकाबले 21 फीसदी ज्यादा रहा है।

मिताराय के मुताबिक रुपये में गिरावट के चलते आयात महंगा होने, जापान में सुनामी आने के बाद निर्माण गतिविधियों के प्रभावित रहने और थाइलैंड में बाढ़ आने के बावजूद कंपनी ने अपने प्रयासों और प्रबंधन के जरिए रेवेन्यू में बढ़ोतरी को जारी रखा। हालांकि, वर्ष 2010 के मुकाबले यह बढ़ोतरी आधी से भी कम थी। कंपनी का मानना है कि अच्छी गुणवत्ता के उत्पादों और सेवाओं की बदौलत 2001 में तकरीबन 200 करोड़ रुपये के रेवेन्यू वाली कंपनी कैनन इंडिया अभी 1525 करोड़ रुपये की कंपनी बन गई है। इसके अलावा वर्ष 2010 में रजिस्टर्ड पेटेंट्स में कंपनी का चौथा स्थान रहा। वर्ष 2001 से कंपनी दूसरे, तीसरे या चौथे स्थान पर ही रही है। कंपनी की दुनिया भर में 30 उत्पादन इकाइयां और सहयोगी कंपनियां हैं। इसमें से जापान में 13, अमेरिका में 2, यूरोप में 2 और एशिया में 13 हैं। पूरी दुनिया में कंपनी की रिसर्च एंड डेवलपमेंट में 5 सहयोगी हैं, जिसमें से एक यूरोप में, एक ओसीनिया में और तीन एशिया में हैं। एशिया में कंपनी की 13 उत्पादन इकाइयां और सहयोगी कंपनियां हैं। इसमें से छह चीन में, तीन मलेशिया में, एक ताइवान में, एक थाइलैंड में और दो वियतनाम में हैं। वहीं, रिसर्च और डेवलपमेंट गतिविधियों के लिए कंपनी की तीन सहयोगी हैं, जिसमें से दो चीन में और एक फिलीपींस में है।

कैनन इंडिया के रेवेन्यू में बढ़ोतरी

वर्ष	रेवेन्यू में बढ़ोतरी (फीसदी में)
2011	21
2010	50
2009	27
2008	30
2007	35
2006	30

एस्सार ऑयल को नुकसान

बिजनेस भास्कर ◆ नई दिल्ली

पेट्रोलियम क्षेत्र में काम करने वाली निजी क्षेत्र की कंपनी एस्सार ऑयल लिमिटेड को वित्त वर्ष 2011-12 की तीसरी तिमाही में 3,986 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। इस दौरान कंपनी का कुल राजस्व 13,897 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की शुक्रवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक 31 दिसंबर 2011 को समाप्त तिमाही में राजस्व 13,897 करोड़ रुपये रहा। इससे एक वर्ष पहले इसी अवधि में कंपनी का राजस्व 13,809 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के मुताबिक आलोच्य अवधि में कंपनी को मई 2008 से दिसंबर 2011 की अवधि तक के बिक्री कर के भुगतान के लिए 4,015 करोड़ रुपये का प्रावधान करना पड़ा इसलिए बैलेंस शीट में 3,986 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। बीते वर्ष इसी अवधि के दौरान कंपनी को 273 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

बिहार के हाईवे प्रोजेक्ट समय से पहले पूरा करेगी सीएंडसी

शिशिर चौरसिया ◆ मुजफ्फरपुर (बिहार)

इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की गुड़गांव की कंपनी सी एंड सी कंस्ट्रक्शन ने बिहार में चल रही राजमार्ग की तीन परियोजनाओं को समय से पहले पूरा करने का भरोसा जताया है। कंपनी का कहना है कि इन परियोजनाओं पर प्रगति संतोषजनक है और यही गति जारी रही तो समय से कम से कम तीन महीने पहले परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी।

सी एंड सी कंस्ट्रक्शन के बिहार क्षेत्र के प्रभारी और संयुक्त उपक्रम कंपनी बीएससी सी एंड सी के मुख्य महाप्रबंधक अशोक कुमार ने बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों में अभी तक वह 654.56 किलोमीटर राजमार्ग बना चुके हैं जिसमें छह लेन और चार लेन वाले राजमार्ग के साथ साथ राज्य राजमार्ग भी शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पास पटना से बख्तियारपुर, मोकामा से मुंगेर और मुजफ्फरपुर से दरभंगा तक के टोल रोड के निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य है। यह काम राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से मिला है। अशोक कुमार का कहना है कि वह बिहार के 32 जिलों में से 28 जिलों में काम कर चुके हैं और अभी भी 10 से ज्यादा जिलों में काम चल रहा है।

ग्राहकों की शिकायतों में कमी लाने के लिए रिटेलर्स खुद कस्टमर से ले रहे फीडबैक

रिटेलर मांग रहे कस्टमर से केयर का फीडबैक

बिजनेस भास्कर ◆ मुंबई

रिटेल कंपनियां जहां एक ओर अपने कारोबार के विस्तार पर ध्यान दे रही हैं, वहीं अब उन्हें ग्राहकों की शिकायतों से निपटने के लिए भी ध्यान देना पड़ रहा है। रिटेलर इसके लिए अपनी सेल्स टीम और अपने स्टाफ को ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसके बाद भी ग्राहकों की शिकायतों में इजाफा हो रहा है। इसे देखते हुए फीडबैक, कस्टमर केयर प्रोग्राम को अपनाया जा रहा है।

वी-मार्ट के अध्यक्ष ललित अग्रवाल के अनुसार हम ज्यादातर शिकायतों का निपटारा स्टोर में मौके पर ही करने की कोशिश करते हैं। इसे फ्लोर मैनेजर देखता है। इसके बाद भी यदि कोई शिकायत आती है जो उसे सेल्स और सीआरएम टीम को दिया जाता है। मुंबई की रिटेल चेन द बांबे स्टोर के प्रवक्ता के अनुसार हम अपने स्टाफ को इतना अधिकार देते है कि वे ग्राहक की शिकायतों को आमने सामने निपटारा कर दें। लेकिन कई बार ग्राहक मैनेजर या सीधे मैनेजमेंट से बात करने के लिए कहते हैं। इसको देखते हुए हम अपने स्टाफ को ट्रेनिंग दे रहे हैं। इसके साथ ही सेल्स टीम और सीआरएम को मिलाकर एक टीम बनाई गई है, जो ग्राहकों की शिकायतें सुलझाएगी। हम ग्राहकों से फीडबैक लेने की कोशिश कर रहे हैं।

तनिष्क जोया ब्रांड के मार्केटिंग हेड गौरव भुवन के अनुसार ज्यादातर ग्राहकों की शिकायतें गुणवत्ता और कीमत को लेकर होती है। इन शिकायतों को देखते हुए फीडबैक प्रोग्राम शुरू किया है, जिसमें वे अपनी शिकायतों और सुझावों को हम तक पहुंचा सकते हैं। वॉन ह्यूसेन के ब्रांड प्रमुख अजय रामचंद्रन का कहना है कि हम ग्राहक से फीडबैक एकत्र करने के बाद उस पर काम कर रहे हैं। उनके सुझावों को ध्यान में रखकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। फीडबैक से रिटेलर और ग्राहक के बीच की खाई को भरने का काम किया जा सकता है।

वहीं ऑनलाइन खरीदारी करते समय भी ग्राहकों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जानकार बताते हैं ग्राहकों के लिए ऑनलाइन खरीदारी में पेमेंट, डिलवरी और सही उत्पाद का मिलना झंझट भरा काम होता है। इसके लिए कई बार कस्टमर केयर फोन करना होता है।

हालात

कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव के पास नहीं होती पर्याप्त जानकारी

ग्राहकों को जानकारी देने में एग्जीक्यूटिव करते हैं आनाकानी

ऑनलाइन खरीदारी करते समय भी ग्राहकों को कई मुश्किलें

उपाय

रिटेलर ले रहे ग्राहकों से उन्हें दी गई सेवाओं के बारे में फीडबैक

कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव्स को दिया जा रहा नए सिरे से प्रशिक्षण

स्टोर में मौके पर ही शिकायतों के निवारण के हो रहे हैं उपाय